भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3438

08 अगस्त, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

ग्रामीण क्षेत्रों में आयुष चिकित्सक और योग प्रशिक्षक

3438. श्री अजय भट्ट:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार, विशेष रूप से उत्तराखंड में आयुष और योग संबंधी जन जागरूकता बढ़ाने और देश के ग्रामीण क्षेत्रों और गांवों में गरीब लोगों को उपचार प्रदान करने के लिए और अधिक आयुष डॉक्टरों और योग प्रशिक्षकों/शिक्षकों की नियुक्ति के लिए कोई नीति तैयार की है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ग): जन स्वास्थ्य राज्य का विषय होने के कारण, उत्तराखंड राज्य सहित देश के ग्रामीण क्षेत्रों और गांवों में जन जागरूकता बढ़ाने और गरीब लोगों को उपचार प्रदान करने के लिए डॉक्टरों और योग प्रशिक्षकों/शिक्षकों की नियुक्ति के संबंध में प्राथमिक जिम्मेदारी संबंधित राज्य सरकार की है। हालांकि, केंद्रीय प्रायोजित योजना अर्थात राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) के तहत, आयुष मंत्रालय एनएएम दिशानिर्देश के मौजूदा प्रावधानों के अंतर्गत राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) के माध्यम से प्रस्तावित विभिन्न गतिविधियों के तहत वित्तीय सहायता प्रदान करके देश में आयुष पद्धतियों के समग्र विकास और संवर्धन हेतु राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की सरकारों के प्रयासों का समर्थन कर रहा है। आयुष डॉक्टरों और योग प्रशिक्षकों/शिक्षकों की संविदात्मक तैनाती का प्रावधान सहित प्रमुख गतिविधियां इस प्रकार हैं:-

(i) मौजूदा आयुष औषधालयों और उप स्वास्थ्य-केंद्रों का उन्नयन करके आयुष स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों का संचालन (एएचडब्ल्यूसी), जिसका नाम अब आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष)कर दिया है।

(ii) मौजूदा एकल सरकारी आयुष अस्पतालों का उन्नयन।

(iii) 10/30/50 बिस्तरों वाले एकीकृत आयुष अस्पतालों की स्थापना।

(iv) आयुष जन स्वास्थ्य कार्यक्रमों का कार्यान्वयन।

*****